पंजीयन क्र . 26996

संस्था आरोग्य

शुरूआत

अक्टूबर 1995 में संस्था की शुरूआत सामाजिक उत्थान के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने के उद्देश्य से हुई। जीवन में खासतौर पर समाज के गरीब और कमजोर तबके के लोगों के बीच उनके हितों के लिए काम करने के उद्देश्य से विशेषकर ग्रामीण विकास, महिलाओं और बच्चों के हित में उनके जीवन, स्वास्थ्य, शिक्षा आदि आधारभूत आवयश्कतों से संबंधित विषयों को लेकर। आज भी संस्था अपने इसी लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रही है।

संस्था की पहुंच

संस्था प्रमुखतः म.प्र. एवं छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों में कार्यरत है और उसका पंजीकृत कार्यालय भोपाल एवं मुख्यालय दिल्ली में स्थित है।

लक्ष्य

राज्य और राष्ट्र स्तर पर कमजोर वर्गों, विशेषकर महिलाओं और बच्चों के हित में कार्य ही संस्था का लक्ष्य है। विशेषकर स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार उन्मूलक क्षेत्रों में। संस्था ऐसा अनुभव करती है कि लोगों में अगर जानकारी है तो वह एक दिन जरूर उनका जीवन बदल देगी इसी विचार को लेकर संस्था शिक्षा, स्वास्थ्य और जीवन विकास के क्षेत्रों में कार्यरत है। प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य जैसे आज की जरूरत के क्षेत्र में भारत सरकार के सहयोग से भोपाल जिले में कार्यरत है।

हमारी विचारधारा

मौजूदा प्रयासों को और सफल बनाना यही हमारी विचारधारा का मुख्य लक्ष्य है। समाज के विभिन्न वर्गों, कमजोर तबकों, महिलाओं और बच्चों के हित में विशेषज्ञों की देख-रेख में शासन और समाजसेवी संस्थाओं द्वारा चलाया जा रहा है। विभिन्न कार्यक्रमों से जुड़ने के लिए संस्था सदैव तत्पर रही है।

सूचना, शिक्षा, संचार

संस्था का अदम्य विश्वास है जानकारी लोगों का जीवन बदल सकती है। इसी विश्वास और विचारधारा के साथ हम पिछले लगभग 12 वर्षों से समाज के कमजोर तबकों के बीच कार्यरत है। विशेषकर ग्रामीण विकास, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में। बात चाहे बच्चों के पोषण की हो या उनके सही विकास की। बात चाहे लिंगभेद की हो या बालिका शिक्षा की। हमारा विश्वास है समाज सही जानकारी से सही दिशा में अग्रसर हो सकता है और इसी को लेकर हम कार्यरत है। समाज में बदलाव के उद्देश्य को लेकर आम आदमी तक इसकी जानकारी पहुंच सके इस हेतु सूचना, शिक्षा, संचार माध्यमों को बढ़ावा देना एवं उनको आम जनों तक पहुंचाना है।

मातृ एवं शिशु जीवन के लिए समर्पित

मातृ शिशु जीवन के लिए विशेष रूप से कार्यरत हैं। यह बात अजीब लग सकती है पर जब बात मृत्युदर एवं शिशु मृत्युदर की आती है तब बहुत पिछड़ा हुआ लगता है। हमें विश्वास है कि बालिका शिक्षा पर अगर प्रदेश में ध्यान देंगे तो मातृ मृत्युदर एवं शिशु मृत्युदर पर निश्चित इसका प्रभाव धनात्मक होगा। संस्था के इसके लिए अपने स्तर पर प्रयासरत है।

बच्चों तक पहुंच

हमारा विश्वास है कि बच्चे बहुत तेजी से सीखते हैं और जो उन्हें बताया जायेगा उसे अमल में लाने में देरी नहीं करते इसलिए हम आंगबाड़ियों और स्कूलों के माध्यम से बच्चों तक पहुंचकर उनके बीच शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्यरत हैं।

शिक्षा और स्वास्थ्य

यही हमारी सामाजिक प्राथमिकता है और अंतिम क्षण तक संस्था इसके लिए कार्य करती रहेगी। हम सोचते हैं शिक्षा एवं स्वच्छता स्वास्थ्य की कुंजी है।

ग्रामीण विकास

आज भी भारत का ज्यादातर हिस्सा गांवों में बसता है ओर उनके सामाजिक एवं आर्थिक विकास के प्रयासों में संस्था निरंतर प्रयासरत है। संस्था ग्रामीण विकास के सभी जरूरी पहलुओं जैसे रोजगार गांरटी योजना, जलाभिषेक अभियान, समग्र स्वच्छता अभियान, जलग्रहण क्षेत्र प्रबंधन मिशन, स्वर्ण जयंती ग्राम स्वरोजगार योजना, मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम, स्कूल चलें हम, नंदन वन आदि योजनाओं के कार्ययोजना निर्माण, प्रचार-प्रसार एवं प्रशिक्षण के क्षेत्र में कार्यरत है।

आरोग्य जन कल्याण संस्था

वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन

2006–07

स्वर्ण जयंती ग्राम स्वरोजगार योजनांर्तगत स्व-सहायता समूहों को प्रशिक्षण

स्वर्ण जयंती ग्राम स्वरोजगार योजनांर्तगत गरीबी रेखा के नीचे (बी.पी.एल.) जीवन यापन कर रहे परिवारों की आर्थिक स्थिती में सुधार के लिये आर्थिक गतिविधि के संचालन हेतु कौशल उन्नयन प्रशिक्षण के तहत स्व-सहायता समूहों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे परिवारों के एक व्यस्क सदस्य को दिया गया।

जनपद पंचायत महिदपुर जिला उज्जैन में 2 दिवसीय सुगंधित एवं जेल मोमबत्ती प्रशिक्षण दिनांक 27 मार्च 2006 से 28 मार्च 2006 तक दिया गया। इस प्रशिक्षण में 40 प्रशिक्षणार्थियों (बी.पी.एल.) की उपस्थिति सुनिश्चित की गई।

जनपद पंचायत राजपुर जिला बड़वानी में 2 दिवसीय प्रशिक्षण दिनांक 25 अप्रेल 2006 से 26 अप्रेल 2006 तक दिया गया। इस प्रशिक्षण में 40 प्रशिक्षणार्थियों (बी.पी.एल.) की उपस्थिति सुनिश्चित की गई।

जनपद पंचायत पानसेमल जिला बड़वानी में 2 दिवसीय प्रशिक्षण दिनांक 19 अक्टूबर 2006 से 20 अक्टूबर 2006 तक दिया गया। इस प्रशिक्षण में 40 प्रशिक्षणार्थियों (बी.पी.एल.) की उपस्थिति सुनिश्चित की गई।

जनपद पंचायत राजपुर जिला बड़वानी में 2 दिवसीय प्रशिक्षण दिनांक 01 दिसम्बर 2006 से 02 दिसम्बर 2006 तक दिया गया। इस प्रशिक्षण में 40 प्रशिक्षणार्थियों (बी.पी.एल.) की उपस्थिति सुनिश्चित की गई।

जनपद पंचायत ठीकरी जिला बड़वानी में 2 दिवसीय प्रशिक्षण दिनांक 11 दिसम्बर 2006 से 12 दिसम्बर 2006 तक दिया गया। इस प्रशिक्षण में 40 प्रशिक्षणार्थियों (बी.पी.एल.) की उपस्थिति सुनिश्चित की गई।

जनपद पंचायत निवाली जिला बड़वानी में 2 दिवसीय प्रशिक्षण दिनांक 12 दिसम्बर 2006 एवं 14 दिसम्बर 2006 को दिया गया। इस प्रशिक्षण में 40 प्रशिक्षणार्थियों (बी.पी.एल.) की उपस्थिति सुनिश्चित की गई।

जनपद पंचायत राजपुर जिला बड़वानी में 2 दिवसीय प्रशिक्षण दिनांक 04 जनवरी 2007 से 05 जनवरी 2007 तक दिया गया। इस प्रशिक्षण में 40 प्रशिक्षणार्थियों (बी.पी.एल.) की उपस्थिति सुनिश्चित की गई।

जनपद पंचायत बड़वानी जिला बड़वानी में 2 दिवसीय प्रशिक्षण दिनांक 09 जनवरी 2007 से 10 जनवरी 2007 तक दिया गया। इस प्रशिक्षण में 40 प्रशिक्षणार्थियों (बी.पी.एल.) की उपस्थिति सुनिश्चित की गई।

जलाभिषेक अभियान

संस्था द्वारा म.प्र. शासन की योजना जलाभिषेक में शासन के साथ सामाजिक भागीदारी के लिए जागरूकता अभियान कार्यक्रम का क्रियान्वयन कई जिलों में प्रचार-प्रसार कर जन जागरूकता अभियान चलाया। संस्था द्वारा जिलों में प्रचार-प्रसार सामाग्री, नुक्कड़ों नाटकों का मंचन, गीत संगीत मंडली, वीडियो वेन से प्रर्दशन आदि का उपयोग किया। प्रदेश के कई जिलों में कार्ययोजना का निमार्ण, प्रचार प्रसार सामाग्री जैसे पोस्टर, पेम्पलेट, ब्रोशर, फोल्डर, फ्लेक्स के बैनर आदि का निमार्ण एवं उनकी रूपरेखा संस्था द्वारा तैयार की गई। योजना के लोकव्यापीकरण एवं जिलो में जल संरक्षण एवं पानी बचाओ आंदोलन के लिए यह एक आवश्यक अंग है।

जनपद पंचायत मेंहगांव जिला भिण्ड में मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा दिनांक 16 मार्च 2006 के आदेश से संस्था द्वारा जलाभिषेक अभियान अंर्तगत प्रचार प्रसार सामाग्री का वितरण एवं प्रसपेक्टिव प्लान का निमार्ण किया गया।

जनपद पंचायत राजपुर जिला बड़वानी में मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा दिनांक 13 अप्रेल 2006 के आदेश से संस्था द्वारा जलाभिषेक अभियान अंर्तगत प्रचार प्रसार सामाग्री का वितरण किया गया।

जनपद पंचायत पाटी जिला बड़वानी में मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा दिनांक 13 अप्रेल 2006 के आदेश से संस्था द्वारा जलाभिषेक अभियान अंर्तगत प्रचार प्रसार सामाग्री का वितरण किया गया।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मंदसौर द्वारा दिनांक 2 मई 2006 के आदेश से संस्था द्वारा जलाभिषेक अभियान अंर्तगत प्रचार प्रसार सामाग्री का वितरण किया गया।

संस्था द्वारा दिनांक 15/06/2006 से 6/07/2006 तक जलाभिषेक योजना अंर्तगत मध्यप्रदेश जनसम्पर्क संचालनालय के मार्गदर्शन में म.प्र. के 22 जिलों में प्रचार प्रसार का कार्य सफलतापूर्वक संचालन किया गया।

जिला पंचायत बड़वानी में जलाभिषेक योजना के प्रचार-प्रसार अभियान के अंर्तगत आठ दिवसीय कार्यक्रम का क्रियान्वयन दिनांक 24/06/2006 से 1/07/2006 तक जिला-बड़वानी के सभी विकासखण्डों में किया गया।

रोजगार गारंटी योजना

सरकार की बहुप्रतीक्षित ''रोजगार गारंटी योजना'' का शुभारंभ म.प्र. शासन द्वारा 2 फरवरी को 18 जिलो में किया। आजीविका के लिए शासन द्वारा चलाई जा रही ''राष्ट्रीय रोजगार ग्यारंटी योजना'' के उचित क्रियान्वयन के उद्देश्य से प्रचार प्रसार के कार्यक्रम का संचालन संस्था द्वारा बड़वानी जिले में किया गया। बढ़ते प्रचार माध्यमों के बीच अपनी बात को लोगों तक पँहुचा पाना दुश्वारी भरा था विशेष कर ऐसे ग्रामीण एंव अन्दरूनी क्षेत्र जहॉ आधुनिक प्रचार माध्यम नही पहुँच पाते । प्रचार प्रसार के कार्यक्रम इस क्षेत्र में अपनी उपयोगिता के कारण विशेष महत्व रखते है। इसकी सीधी पहुंच और दर्शकों से सीधे संवाद कायम करने की क्षमता के कारण यह सम्प्रेक्षण का श्रेष्ठ जरिया है।

भारत की आजादी के बाद से ही विकास की जो अवधारणा बनी उसमें रोजगार को एक महत्वपूर्ण आधार दिया गया। शासन की योजनाओं और कई सफल प्रयोगों ने समाज की दशा में खासे बदलाव किये हैं, इसका परिणाम गरीबी रेखा के नीचे रहने वाले लोगों की संख्या लगातार कमी होना तथा उनका जीवन गरीबी रेखा के नीचे से मुक्त होना है, पिछले एक डेढ़ दशकों में भारतीय अर्थव्यवस्था में गुणात्मक बदलाव हुए हैं। खुले बाजार की नीतियों ने जहां सार्वजनिक क्षेत्रों की भूमिका सीमित की है, वहां राज्य (State) को महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सार्थक हस्तक्षेप के अधिक अवसर दिये हैं।

इस परिदृश्य में रोजगार अभियानों को एक नयी दृष्टि मिली है। बजट की राशि में रोजगार अभियानों के लिए लगातार बढ़ोत्तरी हुई है और जनकल्याण की नयी योजनाएँ अस्तित्व में आई है। रोजगार अभियानों को जिस तरह का एक महत्वपूर्ण आयाम दिया गया है, उसमें जन समूहों की भागीदारी, उनकी जागरूकता, उनका निर्णय में हिस्सेदारी होना, जैसे अनेक नये और अहम् पहलू आज महत्वपूर्ण हो चले हैं।

इन सभी बातों की सूचना और जानकारी न केवल नयी योजनाओं की सफलताओं के लिहाज़ से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह समुदाय की सशक्तिकरण की प्रक्रिया का भी अहम हिस्सा है। इस पूरी प्रक्रिया से लोगों को जोड़ने के लिये जरूरी है कि उनमें ''राष्ट्रीय रोजगार ग्यारंटी योजना'' की बातों के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए मीडिया का प्रयोग हो।

अतः जनता को जाग्रत करने के उद्देश्य से एवं जनजाग्रती लाने हेतु प्रचार प्रसार के कार्यक्रम का क्रियान्वयन पूरे जिले के सभी विकासखण्डों में किया।

जिला पंचायत बड़वानी में जलाभिषेक योजना के प्रचार-प्रसार अभियान के अंर्तगत आठ दिवसीय कार्यक्रम का क्रियान्वयन दिनांक 07/04/2006 से 14/04/2006 तक जिला-बड़वानी के सभी विकासखण्डों में किया गया।

स्कूल चलें हम

06–14 आयु वर्ग के सभी बालकों के लिए माननीय उच्चतम न्यायालय के अनुसार शिक्षा का संवैधानिक अधिकार तो प्राप्त है, किन्तु आज भी शिक्षा के लोकव्यापीकरण के पश्चात भी प्रदेश के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में 06–14 आयु समूह के कई बच्चे प्रारंभिक शिक्षा से वंचित हैं। इन सभी बच्चों को आगामी शिक्षा सत्र जुलाई 2006–07 में अनिवार्य रूप से प्रवेश दिलाया जाये, इस हेतु संस्था द्वारा कई जिलों में दस्तक दी है।

इस हेतु संस्था की कार्ययोजना है कि बच्चेवार-घरवार सर्वे, स्कूल सर्वे, घरों के सर्वे का गौसवारा, समुदाय के साथ सूचना शेयर करना, शैक्षिक योजना की तैयारी, ग्रामीण शिक्षा रजिस्टर के आधार पर अनुश्रवण, नुक्कड़ नाटकों का मंचन, मध यप्रदेश में लागू किये गये जनशिक्षा अधिनियम का गांव-गांव एवं आवासीय बस्ती में प्रचार, प्रभातफेरी का आयोजन, छोटी और स्कूलरहित बस्तियों की जानकारी, स्कूल से बाहर रह गये बच्चों के कौन-कौन से समूह हैं एवं कैसे हैं, उन परिस्थितियों का आकलन जिनके कारण पालक बच्चों को शाला में भेजने में असमर्थ हैं? शासन की उन योजनाओं का प्रचार-प्रसार, जिनके माध यम से निःशुल्क पाठ्य पुस्तकों का वितरण, बालिकाओं के लिए निःशुल्क गणवेश वितरण, मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम आदि योजनाओं की जानकारी उन बस्तियों एवं बसाहटों मे प्रसारित की जायेंगी, जिससे कि पालक अपने बालकों को शाला में प्रवेश दिलाना अपना अनिवार्य दायित्व समझ सकें। उन परिस्थितियों का अध्ययन जिनके कारण शासन और समाज की सारी कोशिशों के बावजूद भी बच्चे अप्रवेशी रह जाते हैं?

इन सब कार्यक्रमों के सफल क्रियान्वयन हेतु संस्था द्वारा ग्राम पटवारी, ग्राम शिक्षक, ग्राम शिक्षा समिति, आंगनवाड़ी केन्द्र की कार्यकर्ता एवं सहायिका, स्वास्थ्य विभाग के ग्रामीण स्तर के कर्मचारी, वन विभाग के कर्मचारी, कृषि विभाग के कर्मचारी एवं अन्य विभाग के ऐसे कर्मचारी जो कि मैदानी अमले के रूप में ग्राम स्तर पर पदस्थ हैं, से संपर्क कर योजना के लोकव्यापीकरण हेतु शासन की मंशा के अनुरूप उन पालकों को योजना के संबंध में जानकारी इन सबके माध्यम से दी जावेगी, जिससे कि शिक्षा के महत्व को जिले के समस्त निवासी अंगीकार करते हुए आगामी शिक्षा सत्र में बच्चों को प्रवेश दिलाने में अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर सकें।

जिला बड़वानी में स्कूल चलें हम योजना के प्रचार-प्रसार अभियान के अंर्तगत सात दिवसीय कार्यक्रम का क्रियान्वयन दिनांक 30/12/2006 से 06/01/2007 तक जिला-बड़वानी के सभी सातों विकासखण्डों में किया गया।

राजीव गांधी जलग्रहण मिशन

संस्था द्वारा राजीव गांधी जलग्रहण क्षेत्र प्रबंधन मिशन अंर्तगत प्रशिक्षण के अतिरिक्त जागरूकता शिविरों का आयोजन कर एक नवीन प्रयास करने की कोशिश की गई है। रोजगार गारंटी योजना जिन जिलों में लागू है ऐसे आदिवासी एवं पिछड़े जिलों में विकास कार्यों के अंर्तगत करवाये जाने वाले ज्यादातर कार्य जल संग्रहण से संबंधित हैं। शासन द्वारा प्रत्येक योजना का क्रियान्वयन एक दूसरे से संबंधित है। यह सभी योजनाएं ग्रामीण विकास से जुड़ी हुई शासन की आधारभूत योजनाएं हैं इनके क्रियान्वयन हेतु सभी गैर शासकीय संस्थाओं का सहयोग भी अंत्यंत आवश्यक है। इन योजनाओं के माध्यम से पिछड़े हुए क्षेत्रों में विकास कार्य के अतिरिक्त रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना, जल संग्रहण को बढ़ावा देना, पुरानी आधारभूत संरचाओं को जीवित रखना, स्व-सहायता समूहों को बढ़ावा देना, शिक्षा, स्वास्थ्य, जल, जंगल, सड़क एवं विकास कार्यों को बढ़ावा देना है।

संस्था द्वारा पूर्व में केवल जल ग्रहण क्षेत्र प्रबंधन मिशनांर्तगत क्षेत्र में पी.आई.ए. सदस्यों एवं स्व-सहायता समूहों को रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण, विपणन एवं प्रबंधन का कार्य किया जाता रहा है। परन्तु शासन की नई-नई योजनाओं को इनमें समाहित कर प्रशिक्षण के अतिरिक्त प्रचार रथ के माध्यम से इन योजनओं का प्रचार-प्रसार भी किया जा रहा है।

जिला पंचायत बड़वानी में 2 दिवसीय प्रशिक्षण दिनांक 01 जनवरी 2007 से 02 जनवरी 2007 तक डीपीएपी की हरियाली-1, 2 एवं 3 योजनाओं में विकासखण्ड बड़वानी, पाटी, राजपुर, ठीकरी, निवाली एवं सेंधवा के स्वीकृत माइक्रोवाटरशेड के सदस्यों को दिया गया। इस प्रशिक्षण में 766 प्रतिभागियों की उपस्थिति सुनिश्चित की गई।

जिला पंचायत बाालाघाट में 8 दिवसीय प्रशिक्षण दिनांक 12 फरवरी 2007 से 21 फरवरी 2007 तक राजीव गांधी जलग्रहण क्षेत्र प्रबंधन मिशन परियोजना एन.आर.ई.जी. के अंर्तगत मिली वाटरशेड क्रमांक 01 में जलग्रहण जागरूकता प्रशिक्षण विकासखण्ड वारासिवनी के स्वीकृत माइक्रोवाटरशेड के सदस्यों को दिया गया। इस प्रशिक्षण में लगभग 3200 प्रतिभागियों की उपस्थिति सुनिश्चित की गई।

जिला पंचायत बाालाघाट में 8 दिवसीय प्रशिक्षण दिनांक 12 फरवरी 2007 से 21 फरवरी 2007 तक राजीव गांधी जलग्रहण क्षेत्र प्रबंधन मिशन परियोजना एन.आर.ई.जी. के अंर्तगत मिली वाटरशेड क्रमांक 02 में जलग्रहण जागरूकता प्रशिक्षण विकासखण्ड वारासिवनी के स्वीकृत माइक्रोवाटरशेड के सदस्यों को दिया गया। इस प्रशिक्षण में लगभग 3200 प्रतिभागियों की उपस्थिति सुनिश्चित की गई।

उपभोक्ता संरक्षण

आयुक्त सहसंचालक भोपाल के पत्र क्रं. 11805 दिनांक 20/12/2006 अनुसार समस्त जिलों में उपभोक्ता संरक्षण जागरूकता अभियान चलाया जाकर व्यापक प्रचार प्रसार किया जाना सुनिश्चित किया गया है। अनेक ऐसी शासकीय योजनाएँ हैं, जो व्यापक जन का हित करने वाली है। आवश्यकता है तो जन-जन में इसकी जानकारी समझ और सूचना पैदा करने की। इसलिये हमारे समाज का विकास करने हेतु जिलें के लागो को जाग्रत करने के लिए प्रचार प्रसार की अत्याधिक आवश्यकता हैं तभी प्रदेश का चॅहुमुखी विकास सम्भव है।

संस्था शासन की विभिन्न उपभोक्ता कल्याणकारी योजनाओं का प्रचार प्रसार सम्पूर्ण म.प्र. में करनी चाहती है। जिसके लिए आदिवासी जिलों के सभी विकासखण्डों में एक दिवसीय मेले लगाकर, प्रचार रथ नृत्य दलों के साथ, जादू के शो, कठपुतली के शो, नुक्कड़ नाटकों का मंचन करेगी।

इसी कड़ी में संस्था संस्था द्वारा प्रस्तावित किया कि जिला बड़वानी में जिला खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के मार्गदर्शन में शासन की उपभोक्ता कल्याणकारी योजनाओं का प्रचार प्रसार किया जावे। जिस पर कलेक्टर एवं मिशन संचालक जिला बड़वानी द्वारा समस्त विकासखण्डों में नुक्कड़ नाटक एवं प्रचार रथ के माध्यम से सात दिवसीय कार्यक्रम प्रस्तुत करने हेतु आदेशित किया गया।। इन कार्यक्रमों प्रचार प्रसार सामाग्री का वितरण जैसे पेम्पलेट, पोस्टर, बैनर आदि का वितरण भी संस्था द्वारा किया गया।

जिला पंचायत बड़वानी में जलाभिषेक योजना के प्रचार-प्रसार अभियान के अंर्तगत सात दिवसीय कार्यक्रम का क्रियान्वयन दिनांक 08/01/2007 से 14/01/2007 तक जिला-बड़वानी के सभी सातों विकासखण्डों बड़वानी, पाटी, राजपुर, ठीकरी, निवाली, सेंधवा एवं निवाली में किया गया।

नशामुक्ति

(1) 30 जनवरी मद्य निषेध संकल्प दिवस का आयोजन महात्मा गांधी के पूण्य तिथि पर किया गया। शराब का त्याग करने का संकल्प लेकर 257 लोगों ने शपथ पत्र भरें।

(2) 31 मई अन्तर्राष्ट्रीय तम्बाकु एवं धूम्रपान निषेध दिवस के अवसर पर युवा एवं जनजनदिन को धूम्रपान के दुष्परिणामों को बतलाया एवं चित्रों की प्रदर्शिनी से अवगत कराया। बीड़ी मजदूरों को समझाया गया तथा बच्चों को इस उद्योग से दूर रखने को कहां गया।

(3) 26 जून नशा निवारण दिवस पर पोस्टर प्रदर्शनी लगाकर जन-जन को इसके दुष्परिणामों से अवगत कराया गया हैं साथ अफीम, स्मेक हशीश, कोकीन, हेरोईन, एफ.एस.डी, मेडेक्स इत्यादि घारत मादक पदार्थो से शरीर पर होने वाले दुष्परिणामों को बच्चों ने दूसरों बच्चों को बतलाया।

(4) महात्मा गांधी के जन्म दिवस के अवसर पर मद्य निषेध सप्ताह को आयोजन कर चित्रकला पोस्टर, वाद विवाद, भाषण, निबंध, लेखन प्रतियोगिताऐं सम्पादन की गई। प्रश्नमंच का आयोजन कर शराब से होने वाले शारीरिक पारिवारिक दुष्परिणामों को दूसरे बच्चों को बतलाया।

(5) जनवरी लुई ब्रेल दिवस के अवसर पर अन्धे बच्चों को शिक्षा का ज्ञान दिया तथा कम्प्यूटर चलाने की क्रिया बतलाई तथा बच्चों को कपड़े और मिठाई का वितरण किया गया।

(6) 14 अप्रैल को सामाजिक न्याय दिवस मनाया गया, पब्लिक को सामाजिक चाप क्या है इसके उपयोग के सम्बन्ध बतलाया। इस अवसर डॉ. अम्बेड़कर जी को याद कर इनके तस्वीर पर पुष्पमाला पहनाई गई।

(7) प्रतिवर्ष की भाँति इस भी सितम्बर माह के तीसरे सप्ताह से श्रवण बाधितों के लिये जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया तथा श्रवण बाधितों को कानयंत्र आदि प्रदान किये गये।

(8) 1 अक्टूबर को वृद्धजन दिवस आयोजित कर वृद्धो को भोजन प्रदान कर कपड़े वितरण का कार्य किया गया।

(9) 3 दिसम्बर को विश्व विकलांग दिवस का आयोजन कर विकलांग युवा छात्र-छात्राओं को एवं जन-जन को बैसाखी, बाईसिकल का वितरण किया गया।